विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय.विषय- हिंदी, दिनांक---29-12-2020

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

बुद्धि बड़ी या बल

किसी जंगल में एक शेर रहता था। वह अपनी मांग से निकल कर घूम रहा था। किसी शिकारी ने रास्ते में पिंजरा रख दिया था।किसी शिकारी ने रास्ते में पिंजरा रख दिया था। भूल से शेर पिंजरे में कैद हो गया।शेर ने पिंजरे से निकलने के लिए बहुत कोशिश की लेकिन सारी कोशिश बेकार हो गई। वहां से एक गरीब आदमी मन को गुजर रहा था शेर ने उसे पुकार कर कहा। भाई मैं 4 दिनों से भूखा हूं मुझे पिंजरे से निकाल दो। मैं तुम्हें बहुत सारा धन दूंगा। मंकू डरते -डरते बोला,नहीं नहीं तुम बाहर निकलती है मुझे मार कर खा जाओगे।

शेर ने कसम खाई और रोने गिर गिर आने लगा। शेर की यह दशा देखकर मंकू ने पिंजरा खोल दिया। पिंजरे से बाहर आते ही शेर दहाड़ उठा। उसने कहा, मुझे जोरों की भूख लगी है। मैं तुम्हें खाकर अपनी भूख मिटऊंगा।

दिए, गए अध्ययन- सामग्री को पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।